

ऋषिकेश-करणप्रयाग रेल परियोजना

चर्चा में क्यों?

16 अगस्त, 2022 को रेल विकास नगिम के परियोजना प्रबंधक के. ओमप्रकाश मालगुडी ने बताया कि ऋषिकेश-करणप्रयाग रेल परियोजना के निर्माण में लगे रेल विकास नगिम ने 50 कमी. लंबी सुरंग बनाकर तैयार कर दी है। कुल 125 कमी. लंबे ट्रैक का 105 कमी. हिस्सा सुरंगों के अंदर होगा।

प्रमुख बटु

- प्रबंधक के. ओमप्रकाश मालगुडी ने बताया कि 125 कमी. लंबी ऋषिकेश-करणप्रयाग रेल परियोजना के नौ पैकेज में 80 प्रवेश द्वार होंगे, जिनमें से लगभग 50 प्रवेश द्वार तैयार हो चुके हैं।
- उन्होंने बताया कि किसी भी आपदा, जैसे- भूकंप, बाढ़ और आग से निपटने के लिये आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों की ओर से साइट स्पेसफिक स्पेक्ट्रम स्टडी तैयार की गई है। इसे विदियों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों की ओर से जाँचा गया है।
- भूस्खलन से बचने के लिये पोरल स्टेबलाइज़ेशन किया गया है। सभी बातों को ध्यान में रखकर सुरंगों की डिज़ाइन तैयार की गई है। सभी पैकेज में पर्यावरण, स्वास्थ्य और सुरक्षा का ध्यान रखा गया है। किसी भी प्रकार की आपदा से बचने के लिये सुरंगों को सुरक्षित बनाया जा रहा है।
- ऋषिकेश-करणप्रयाग रेल परियोजना में कुल 17 सुरंगें होंगी। 16 सुरंग एनएटीएम (न्यू ऑस्ट्रेयिन टनलिंग मैथड) और सौड़ (देवप्रयाग) से जनासू तक 70 कमी. लंबी सुरंग का निर्माण टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) से किया जा रहा है।
- गौरतलब है कि ऋषिकेश-करणप्रयाग रेल परियोजना पर साल 2019 से काम शुरू हुआ था। यह 125 कमी. लंबी परियोजना है, जिसमें 105 कमी. रेललाइन सुरंगों के भीतर होगी। यह परियोजना पूरी तरह से ऋषिकेश से आगे करणप्रयाग तक पर्वतीय क्षेत्र में बनाई जा रही है।
- इस रेललाइन के लिये कुल 17 सुरंगों का निर्माण हो रहा है। इनमें जिन सुरंगों की लंबाई 6 कमी. से ज़्यादा है, उनके समानांतर एक नकिसी सुरंग भी बनाई जा रही है। इस परियोजना में 7 एडिट टनल बनाई जाएँगी, जिनकी लंबाई 4 कमी. तक होगी।